[Mr Speaker]

of the Joint Committee on the Bill further to amend the Companies Act, 1956, the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 and the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969."

The motion was adopted

12.32 hrs

MATTERS UNDER RULE 377

(i) INJUSTICE IN ACQUISITION OF AGRICULTURAL LANDS BY BHILAI STEEL PLANT

श्री चन्दूलाल चन्द्राकर (दुर्ग) भिलाई इस्पात कारखाने के मैनेजमैंट द्वारा वहा के कर्मचारियो और आम पास के किसानो के साथ हो रहे अन्याय की ओर मैं मंत्री महोदय का ध्यान दिलाना चाहता हू और अनुरोध करना चाहता हू कि वे इस अन्याय को दूर करने की कोशिश करे। भिलाई स्टील प्लान्ट के लिए लोगो से अधिक गावो की जमीन को सरकार द्वारा लिया गया। अभी भी वहा हजारो एकड जमीन खाली पडी हुई है। उसके बावजूद भी भिलाई स्टील प्लाट के मैनेजमेंट ने दो गावो की जमीन को जिन में से एक का नाम पुरैना गाव है जमीन एक्वायर करने के आर्डर्स इशू किए है। आस पास के गावो के लोग मैनेजमैंट के इस रुख से बडे परेशान है। उनके पास पहले हो बहुत अधिक जमीन खाली पडी हुई है। मनेजमैंट के अफसर लोगो ने एक कोआपरेटिव फार्म बना लिया है जो लगभग 800 या 1000 या 1200 एकड का है जिस में वे खेती करते है, लेकिन सारा खर्च सरकार का होता है, पानी, बिजली बाबुई बायर, ट्रैक्टर सब तो सरकार के खर्चे पर होते है लेकिन जो आमदनी होती है चाहे वह धान की फसल हो या सब्जी हो मैनेजमैंट के अफसरो के यहा चली जाती है। इस कारण स्थानीय जनता परेशान है। कई सालों से लोग कहते आ रहे है कि जो जमीन खाली पड़ी हुई है उसका उपयोग सरकार नहीं कर सकती है तो वह उनको लीज पर दे दे, एक एक साल की लीज पर दे दी जाए ताकि जब कभी सरकार को जरूरत पड़े तो उस को लिया जा सके और वे दे देवे। लेकिन ऐसा नही हुआ। किसानो को न देकर के मैनेजमैंट के जो अफसर स्टील प्लांट की जमीन का दुरुपयोग करते है। उनके बावजूद और जमीन ऐक्वायर करने के आर्डर्ज इशु हो गये हैं।

भिलाई स्टील प्लाट मे उत्पादन बहुत अच्छी तरह से अभी तक होता रहा है। लेकिन अब वहा एंडस्ट्रीयल रिलेशंस बहुत तेजी मे खराब हो रहे है। चाहे प्रमोशन, चाहे ट्रान्सफर्ज और चाहे नियुक्ति का सवाल हो, सब की वजह से वह खराब हो रहे हैं और खतरा पैदा हो रहा है कि आगे चल कर उत्पादन वही कम न हो जाए। मै दो तीन उदाहरण देना चाहता हू। पहला तो यह है कि वहा एक एजुकेशन आफसर की जो नियुक्ति हुई है उस के खिलाफ वहा जबर्दस्त असंतोष है और आन्दोलन है। उसके साथ साथ चार डिप्टी एजुकेशन आफसर एप्वाइंट किए जा रहे है उनके खिलाफ भी वहा काफी आन्दोलन है। तीन चार लोगो को या तो बिना कारण नौकरी से अलग कर दिया गया है या ट्रान्सफर कर दिया गया है। एक दो नाम मैं आप को बताना चाहता हू। रामन राम को बिना किसी खास कारण के नोकरी से हटा दिया गया। असिस्टैंट लेबर आफिसर श्री द्विवेदी को ट्रान्स्फर कर दिया गया बिना कारण। कहने का मतलब यह है कि वहा जो मैनेजमैंट है वह मनमानी नियुक्तियां, प्रोमोशन और टर्मिनेशन आफ सर्विसिस कर रहा है।

भिलाई स्टील प्लान्ट के कर्मचारियो को जो बोनस दिया जा रहा है। वह 8.33 दिया जा रहा है। वहाँ इस्पात का उत्पादन बहुत अधिक होता है। वहा के कर्मचारियो को और इस्पात कारखाने के कर्मचारियों से अधिक

दिया जाना चाहिए । यहां उत्पादन नब्बे प्रतिशत है ।

मंत्री महोदय चूंकि नए आये हैं इस लिए शायद उनको इन सब चीजों की जानकारी नही होगी । इस लिए मैं इतना ही कहना चाहता हूं कि जो गांवों की जमीन को एक्वायर किया जा रहा है उसका तत्काल रोकने के लिए आदेश जारी करें ।

MR. SPEAKER: Shri Shyamnandan Mishra.

(*Interruptions.*)

MR. SPEAKER: Order please. I have called Shri Shyamnandan Mishra.

(*Interruptions.*)

(ii) SERIOUS FOOD SITUATION IN KERALA

SHRI SHYAMNANDAN MISHRA (Begusarai): I have to bring to your notice the extremely critical food situation in Kerala. Here I have got a sample of the food that is supplied They supply such a misreable quantity the people per head that even an infant cannot subsist on this. It is only a morsel of food. About 80 persons including women and important public workers, AICC Members, PCC, DCC Members have come from Kerala and were proceeding to Parliament House to present a Memorandum to you and the Prime Minister and the Chairman of the other House. They have been arrested this morning, with Shri Mahavir Tyagi, who is the leader of our party in the other House and one of the senior leaders in the country. Some urgent steps should be taken immediately to restore the cut in ration in Kerala. They are getting reduced supply. It has been reduced by fifty per cent, and the Centre is not meeting its obligation to the State. The situation would go out of hand and people would really face starvation. Many persons have died as a result of exhaustion I have got the sample. Can anybody say that this is adequate? (*Interruptions*) I request the Government to take immediate action in the matter.

SHRI DINEN BHATTACHARYYA (Serampore): Yesterday, I was trying to draw your attention to allow me to arise this matter about the acute food situation in Kerala where the trains have been stopped; students are not going to schools. It is strange that when this is the situation there, no step is taken by the Centre at least to see that the minimum food requirement is sent from the Centre so that this situation might get changed.

The Minister for food and Agriculture is here. He must make a statement on this. In Delhi many people have been arrested. (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय जब सब मैम्बर साहब इकट्ठे बोलते हैं, तो कोई बात सुनाई नही देती है और कोई बात रिकार्ड पर भी नही आती है । (व्यवधान)

SHRI SHYAMNANDAN MISHRA: The Food Minister is here. Why have the people who have come here in search of food from Kerala been arrested? (*Interruptions*).

MR. SPEAKER: I allowed Shri Mishra and even Shri Bhattacharyya. What do you want to say, Mr. Limaye?

SHRI K. S. CHAVDA (Patan): This is not complete. Many people including some women have ben arrested. So, the Minister must say something with regard to this. Even Shri Tyagiji has been arrested.

अध्यक्ष महोदय : एक तरफ आप लोग मुझे कहते हैं कि मैं फूड मिनिस्टर से स्टेटमेंट देने के लिए कहूं और दूसरी तरफ आप लोग बैठते नहीं हैं, ताकि मैं कुछ कह सकूं

SHRI SHYAMNANDAN MISHRA: Why have they arrested those who have come from Kerala in search of food?

MR. SPEAKER: Would you like to make a statement now or later?